

दैनिक जागरण

Delhi • Jaipur • Lucknow • Meerut • Moradabad • Kanpur • Prayagraj • Ranchi • Varanasi

सीआईएमपी के 15वें दीक्षा समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को दी उपाधि डिग्री निजी उपलब्धि नहीं, छात्र पर राष्ट्र का निवेश

जास, पटना: छात्र जो डिग्री आज हासिल कर रहे हैं, उसे केवल अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि मानकर सीमित न कर दें। यह वास्तव में आप पर किया गया एक बहुत बड़ा राष्ट्रीय निवेश है। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) के 15वें दीक्षा समारोह में शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश व केंद्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने युवा प्रबंधकों को उनकी वास्तविक जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए ये बातें कहीं। इसके पहले सीआईएमपी परिसर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह और विकास प्रबंधन संस्थान (डीएमआई), पटना के निदेशक प्रो. देवी प्रसाद मिश्रा आदि ने किया।

कार्यक्रम में 140 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इनमें पीजीडीएम बैच 2024-26 के 121 विद्यार्थी, पीजीडीएम बैच 2023-25 के एक तथा पीजीडीएम (ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और वेंचर डेवलपमेंट) के 18 छात्र शामिल हैं। राज लक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक मिला, जबकि अनीश अहसन ने सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए स्वर्ण अर्जित किया। मेधावी छात्रा स्कालरशिप राज लक्ष्मी (पहला पुरस्कार), शिखा सिंह (दूसरा पुरस्कार) और अंजलि सिन्हा (तीसरा पुरस्कार) को दी गई। दीक्षा समारोह में डा. राजश्री फिल्लई को 'बेस्ट रिसर्चर अवार्ड' मिला। एसोसिएट प्रोफेसर रंजीत तिवारी को 'बेस्ट टीचर अवार्ड' दिया गया। सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर विवेक कश्यप को संस्थागत विकास में योगदान के लिए 'बेस्ट



सीआईएमपी के दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश व केंद्रीय विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, डीएमआई के निदेशक प्रो. देवी प्रसाद मिश्रा, संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह के साथ उपाधि अर्जित करने वाले छात्र और छात्राएं • जागरण

मुख्यमंत्री का संदेश, बिहार और देश के विकास में अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करें युवा

समारोह के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री व सीआईएमपी बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष स्म्राट चौधरी का संदेश पढ़कर सुनाया गया। मुख्यमंत्री ने 2008 में स्थापना के बाद से सीआईएमपी की यात्रा के लिए संस्थान को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में मैनेजमेंट शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया और पास होने

वाले छात्रों से आग्रह किया कि वे बिहार और देश के विकास के लिए अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करें। प्रो. राणा सिंह ने बताया कि संस्थान ने ऑर्फिशियल इंटरलिजेंस और एनालिटिक्स में स्पेशलाइजेशन शुरू करके अपने एकेडमिक पोर्टफोलियो को मजबूत किया है। इसमें जेनरेटिव एआई,

डेटा आटोमेशन और नई तकनीकों के जिम्मेदार इस्तेमाल जैसे क्षेत्र शामिल हैं। संस्थान ने मुख्य रूप से ऑर्फिशियल इंटरलिजेंस के क्षेत्र में 31 पेटेंट फाइल किए हैं। इसने एमएसएमई, स्वास्थ्य और राज्य योजना जैसे विभागों के 2,229 प्रतिभागियों के लिए 24 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम भी आयोजित किए हैं।

140 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई, राज लक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन और अनीश अहसन को सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक, उपाधि पाकर विद्यार्थियों के खिले चेहरे

मैं झारखंड के बोकारो की रहने वाली हूँ। ओवरऑल बैच टापर हूँ, जिसके लिए स्वर्ण पदक और 10 हजार रुपये मिले हैं। अभी एक सरकारी विभाग में कंसल्टेंट के रूप में जुड़ी हूँ। आगे भी कंसल्टेंसी में काम करना चाहती हूँ। स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर अभ्यास और एकाग्रता के साथ की गई अनुशासित पढ़ाई ही सफलता का एकमात्र सुनिश्चित मार्ग है। राजलक्ष्मी।

मैं अभी गुरुग्राम में एक निजी बैंक में कार्यरत हूँ। मुझे लगता है कि मैं किसी चीज को समझा अच्छा सकता हूँ। ऐसे में आगे बैंकिंग के साथ कंसल्टेंसी के क्षेत्र में भी काम करने की इच्छा है। नियमित रिवीजन, समय का सही प्रबंधन और रटने की बजाए विषयों को गहराई से समझना ही परीक्षा में शीर्ष पर पहुंचने का मूल मंत्र है। अनीश अहसन।

प्रभात खबर

पटना | मुजफ्फरपुर | भागलपुर | रांची | जमशेदपुर | धनबाद | देवघर | कोलकाता से प्रकाशित

विद्यार्थी ज्ञान संग देश के विकास में दें योगदान : दिनेश माहेश्वरी

दीक्षांत समारोह

संवाददाता, पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआइएमपी) में शनिवार को दीक्षांत समारोह हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, सीआइएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह, कुमुद कुमार ने किया। इस अवसर पर एमबीए, पीजीडीएम में सफल छात्र-छात्राओं को पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने डिग्री प्रदान की। 139 से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां मिली। इनमें पीजीडीएम के 2024-26 सत्र के 121 विद्यार्थी, 2023-25 बैच के विद्यार्थी व नवाचार, उद्यमिता एवं उद्यम विकास पाठ्यक्रम के 18 विद्यार्थी शामिल थे।

मौके पर पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि प्रबंधन केवल करियर बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण स्तंभ है। विद्यार्थियों को ज्ञान, विवेक और संकल्प के साथ देश व समाज के विकास में योगदान देना चाहिए। दीक्षांत समारोह में अनीश अहसन व राजलक्ष्मी को मिला गोल्ड मेडल पूर्व न्यायमूर्ति ने प्रदान किया।

अनीश अहसन व राजलक्ष्मी को मिला गोल्ड मेडल, बाकि विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि



दीक्षांत समारोह में छात्रा को उपाधि देते पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी।

संकाय (फैकल्टी) व कर्मियों के विशेष पुरस्कार

बेस्ट रिसर्च अवार्ड

डॉ राजश्री पिल्लई को मिला

बेस्ट टीचर अवार्ड

प्रो रंजीत तिवारी को मिला

बेस्ट ऑफिसर अवार्ड

विवेक कश्यप

बेस्ट स्टाफ मेंबर अवार्ड

सुमित कुमार और विद्या सागर

शिक्षक व छात्रों को पदक और छात्रवृत्ति

मेधावी छात्रा छात्रवृत्ति में 10 हजार विद्यार्थियों को प्रदान किया गया।

प्रथम पुरस्कार

राजलक्ष्मी

द्वितीय पुरस्कार

शिखा सिंह

तृतीय पुरस्कार

अंजलि सिन्हा

गीता के कर्मयोग का दिया संदेश :

पूर्व न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने श्रीमद्भगवद्गीता के तीसरे अध्याय के श्लोक 5 और 8 का संदर्भ देते हुए कर्म के महत्व को छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बताया। उन्होंने कहा कि मनुष्य कर्म से बच नहीं सकता, इसलिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और क्षमता के साथ करना चाहिए। यही प्रबंधन की वास्तविक परीक्षा भी है।



मैं ऑसम मंत्रा कंसल्टिंग में सहयोगी हूँ। पाठ्यक्रम के दौरान उद्योग और बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

-राजलक्ष्मी, 2024-26 बैच, पदक विजेता

वहीं अदिति कुमारी, आदित्य राज, आकांक्षा कुमारी, अनीश हसन, अनुष्का प्रिया, वैष्णवी कुमारी, अनन्या, श्रेया वर्मा, कुमार ऋतिक, अभिनव कुमार, श्रुति राज, बलविंदर सिंह गुलाटी सहित अन्य विद्यार्थियों को उपाधि मिली।



मैं आइसीआईसीआई बैंक में धन प्रबंधन प्रबंधक के पद पर कार्यरत हूँ। संस्थान का माहौल बेहतर है। यहां आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मौजूद हैं।

-अनीश अहसन, पीजीडीएम 2024-26 बैच

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

जन्म सन्तति 2079, पटना

दीक्षांत आगे और बेहतर करने की शुरुआत

सीआईएमपी

पटना, कासं। 'दीक्षांत सीखने का अंत नहीं, बल्कि आगे और बेहतर ग्रहण करने की शुरुआत है।' दीक्षांत समारोह का मतलब यह नहीं है कि जो हासिल किया गया है उसे पीछे मुड़कर देखा जाए, बल्कि इसका मतलब है कि आगे क्या बनाया जा सकता है, किस तरह के अवसर हासिल किए जा सकते हैं।' ये बातें शनिवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) के 15वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और लॉ कमिशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने कहीं।

समारोह में पीजीडीएम 2024-26 के 121, पीजीडीएम 2023-25 के एक और पीजीडीएम आईईवी के 18 छात्र-छात्राओं सहित कुल 140 को मुख्य अतिथि ने डिग्री प्रदान किया। अनीश अहसन व राजलक्ष्मी को क्रमशः बेस्ट ऑल राउंड परफॉर्मेंस और सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया। तीन छात्राओं को मेधावी छात्रा छात्रवृत्ति सम्मान के तहत नगद राशि से सम्मानित किया गया। इनमें राज लक्ष्मी, शिखा सिंह और अंजलि सिन्हा ने क्रमशः

- दीक्षांत समारोह में बोले पूर्व न्यायाधीश दिनेश माहेश्वरी, 140 छात्रों को मिली डिग्री
- शैक्षणिक और सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए राज लक्ष्मी और अनीश को मिला गोल्ड



सीआईएमपी में शनिवार को दीक्षांत समारोह में छात्रा को डिग्री प्रदान करते देते पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी। साथ में निदेशक प्रो. राणा सिंह, निदेशक डॉ. देवी प्रसाद मिश्र व अन्य।

बेस्ट रिसर्चर, बेस्ट शिक्षक और बेस्ट कर्मचारी का इन्हें सम्मान

- बेस्ट रिसर्चर : डॉ. राजश्री पिल्लई (शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल)
- बेस्ट शिक्षक : प्रो. रंजीत तिवारी
- बेस्ट ऑफिसर : विवेक कश्यप
- बेस्ट कर्मचारी : सुमित कुमार और विद्या सागर

पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को प्रबंधन की व्यापक भूमिका और जिम्मेदारियों का बोध कराया। विद्यार्थियों को ज्ञान, विवेक और संकल्प के साथ देश और समाज के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रबंधन के तीन प्रमुख आधार उद्देश्य, विवेक और निरंतरता है। पूर्व न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने कहा कि ऐसी ऐतिहासिक और ज्ञान की धरती पर शिक्षा प्राप्त करना विद्यार्थियों के लिए

गौरव के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी मिली है। गीता के कर्मयोग का दिया संदेश: पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक का संदर्भ देते हुए कर्म के महत्व को छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बताया। कहा कि मनुष्य कर्म से बच नहीं सकता, इसलिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और क्षमता के साथ करना चाहिए। यही प्रबंधन की वास्तविक परीक्षा भी है। निदेशक डॉ. राणा सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों पर रिपोर्ट पेश की।

आज

नैतिक मूल्यों और संवैधानिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना का 15वां दीक्षांत समारोह आयोजित

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना का 15वां दीक्षांत समारोह शनिवार को संस्थान के सभागार में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारत के विधि आयोग के अध्यक्ष एवं सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी रहे। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह और विकास प्रबंधन संस्थान, पटना के निदेशक डॉ. देवी प्रसाद मिश्र भी उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत शैक्षणिक जुलूस और दीप प्रज्वलन से हुई।

इस दौरान मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर ज्ञान, विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। बिहार के मुख्यमंत्री एवं संस्थान के शासी निकाय के अध्यक्ष सम्राट चौधरी का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह ने संस्थान की शैक्षणिक, शोध, उद्यमिता और वैश्विक स्तर की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान के मुख्य

स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम को राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है तथा इसे भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा

वहीं, संस्थान की ओर से 31 पेटेंट दाखिल किए गए और 67 सामाजिक प्रभाव आकलन परियोजनाएं पूरी की

प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक मिला। न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने विद्यार्थियों से उद्देश्य, विवेक और



प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि के समकक्ष माना गया है। संस्थान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विश्लेषण के क्षेत्र में नए विशेषज्ञता कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। संस्थान के उद्यमिता तंत्र ने जनवरी 2023 से अब तक 374 स्टार्टअप को सहायता दी है।

गई। इस शैक्षणिक वर्ष में अंतरराष्ट्रीय और औद्योगिक संस्थानों के साथ 23 समझौते भी हुए। समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। राज लक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन और अनीश अहसान को सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण

निरंतर प्रयास के साथ नेतृत्व करने तथा नैतिक मूल्यों और संवैधानिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। समारोह के अंत में विद्यार्थियों ने शपथ ली और बिहार गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

कुल पेज 18 **बिहार** मूल्य ₹ 4.00 | वर्ष 9, अंक 167

सीआईएमपी का 15वां दीक्षांत, जस्टिस माहेश्वरी ने नेतृत्व का संदेश दिया

पटना | सीआईएमपी ने अपने ऑडिटोरियम में 15वां दीक्षांत समारोह आयोजित कर उत्तीर्ण विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि विधि आयोग अध्यक्ष व सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि प्रबंधन में

पेशेवर उत्कृष्टता को नैतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल्यों से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने नेतृत्व के लिए मकसद, समझदारी और लगन को आधार बताते हुए कहा कि सफलता का दायरा केवल आर्थिक परिणामों तक सीमित नहीं होना चाहिए।